मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDC-105

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी (बी. ए. एच. डी. एच.)
(सी. बी. सी. एस.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022
बी.एच.डी.सी.-105 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) हम तो केवल यह आँकते हैं
कि एक देश की धरती
दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए
पक्षियों को पाँखों पर तिरता है।
और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी
बनकर गिरता है।

(ख) जग आए घनश्याम देख तो,

देख गगन पर आगी,

तूने बूँद, नींद खितिहर ने

साथ-साथ ही त्यागी।

रही कजलियों की कोमलता

झंझा को बर री!

बदरिया थम-थमकर झर री !

(ग) जो फूल जहाँ है,

जो भी सुख

जिस भी डाली पर

हुआ पल्लवित, पुलकित,

मैं उसे वहीं पर

अक्षत, अनाघात, अस्पृश्य, अनाविल

हे महाबुद्ध!

अर्पित करती हूँ तुझे।

(घ) तुम्हारे साथ रहकर

अक्सर मुझे महसूस हुआ है

कि हर बात का एक मतलब होता है,

यहाँ तक कि घास के हिलने का भी,
हवा का खिड़की से आने का,
और धूप का दीवार पर
चढ़कर चले जाने का।

(ङ) इसे अचानक देखो
अद्‌भुत है इसकी बनावट
यह आधा जल में है
आधा मंत्र में
आधा फूल में है
आधा शव में
आधा नींद में है
आधा शंख में
अगर ध्यान से देखो
तो यह आधा है
और आधा नहीं भी है।

2. 'प्रगतिवाद' पर एक निबन्ध लिखिए। 16

3. प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

4. समकालीन कविता की शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 16

5. दिनकर के कृतित्व का परिचय देते हुए उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

6. भवानीप्रसाद मिश्र की काव्य-संवेदना को रेखांकित कीजिए। 16

7. रघुवीर सहाय के काव्य-विकास की चर्चा करते हुए उनकी राजनीतिक दृष्टि को स्पष्ट कीजिए। 16

8. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के अभिव्यंजना शिल्प को रेखांकित कीजिए। 16

9. "केदारनाथसिंह की कविताएँ संवेदनाओं का पुनराविष्कार हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16